THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir.

(b) A number of foreign companies have shown their interest to enter the Indian Market for Telecom equipment production. However, only one detailed offer has been received by M/s. Indian Telephone Industries Limited from M/s. CIT ALCATEL, France with following terms:

Know-how Technology Fee	NIL
Royalty	5% for a internl sales and 8% for Exports
Capacity	5,00,000 lines per annum
Technology	OCB—283

दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत उर्दू मीडियम के स्कूल

130. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत उर्दू मीडियम के कितने स्कूल हैं ;

(ख) 15 अगस्त, 1991 की स्थिति के अनुसार इन स्कूलों में उर्दू अध्यापकों के कितने पद खाली पड़े थे ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इन स्कूलों में कितने उर्दू-अध्यापक नियुक्त किये गये; और

(घ) सरकार द्वारा इन स्कूलों में उर्दू-अध्यापकों के पदों को भरने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

उर्दू पुस्तकों का उपलब्ध न होना

131. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा छापी जाने वाली कोर्स की उर्दू पुस्तकें गत एक वर्ष से विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं हो रही हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) रा० शै०अ०व० प्र० प० द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, कुछ उर्दू पाठ्यक्रम पुस्तकों के प्रकाशन में थोड़ा विलम्ब हुआ था । ये पुस्तकें उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो (बी०पी०यू०) के सहयोग से निकाली गई थी । इस सहयोग के अंतर्गत उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो रा० शै० अ०व प्र०प पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य सामग्रियों का अनुवाद उपलब्ध करवाता है तथा रा शै अ० व०प्र०प० उर्दू पुस्तकों के प्रकाशन तथा वितरण का उत्तरदायित्व वहन करता है ।

(ख) रा०शै०अ० व प्र०प० द्वारा प्रोन्नति ब्यूरो के परामर्श से अंग्रेजी/हिन्दी रूपान्तर तथा उनके उर्दू अनुवाद के प्रकाशन के बीच देरी को कम करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं ।